

हजारों स्कूली बच्चों को पीने का पानी मुहैया करा रहा है रीप

पूर्वी दिल्ली के चार स्कूलों में लगाया गया रीप, दो और स्कूलों में जल्द लगेगा

- रीप में लगा आरओ सिस्टम पानी को पीने लायक बनाता है
- दो पालियों में चलने वाले इन स्कूलों के 25 हजार बच्चों को मिल रहा स्वच्छ पानी

नई दिल्ली: 26 सितंबर, 2012। पूर्वी दिल्ली के चार सरकारी स्कूलों में रीप यानी रिन्युएबल एनर्जी असिस्टेड पंप लगा दिया गया है, जो वहां पानी की भारी किल्लत को दूर कर रहा है। खास बात यह है कि रीप के साथ आरओ सिस्टम भी लगाया गया है, जो जमीन या पाइपलाइन के पानी को पीने लायक बनाता है। दो पालियों में चलने वाले इन स्कूलों के करीब 25 हजार बच्चों व स्टाफ को अब निर्बाध जल-आपूर्ति मिल रही है। जल्द ही दो और स्कूलों व दो पार्कों में भी रीप लगाया जाएगा।

जिन चार सरकारी स्कूलों में रीप सिस्टम लगाया गया है, वे हैं— 1. सर्वोदय बाल विद्यालय, सी ब्लॉक, न्यू सीमापुरी, 2. राजा रवि वर्मा सर्वोदय कन्या विद्यालय, बी ब्लॉक, नंद नगरी, 3. गवर्नमेंट सीनियर सेकंडरी स्कूल नंबर एक, मानसरोवर पार्क, शाहदरा, और 4. गवर्नमेंट सीनियर सेकंडरी स्कूल नंबर दो, मानसरोवर पार्क, शाहदरा। रीप स्कूलों में न सिर्फ निर्बाध जल-आपूर्ति सुनिश्चित करेगा, बल्कि इन चारों स्कूलों को करीब 15 किलोवॉट बिजली की बचत भी होगी क्योंकि पानी खींचने के लिए उन्हें बिजली का इस्तेमाल नहीं करना पड़ रहा है। इन स्कूलों में स्थानीय विधायकों श्री वीर सिंह धिंगान और श्री विपिन शर्मा ने अपने विधायक कोष से रीप सिस्टम लगवाया है।

स्कूलों में रीप तकनीक खासकर गर्मियों में काफी लाभदायक साबित हो रहा है और वहां इसने पानी की किल्लत को खत्म कर दिया है। इसने पानी के लिए, वॉटर पाइपलाइन और बिजली पर स्कूलों की निर्भरता को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि बिजली पर कोई पैसा खर्च किए बगैर ही छात्रों व शिक्षकों को सालोंसाल निर्बाध जल-आपूर्ति मिलती रहेगी। रीप की खासियत यह है कि अगर स्कूल या अन्य संस्थाएं बहुमंजिला हैं, तो भी पानी को ओवरहेड टैंक पर आसानी से पहुंचाया जा सकता है। और वह भी, बिना बिजली की मदद के। रीप सिस्टम 90 मीटर की उंचाई तक पानी को पहुंचा सकता है और दिन भर में 30 हजार लीटर पानी खींच सकता है।

राजा रवि वर्मा सर्वोदय कन्या विद्यालय की वाइस प्रिंसिपल स्नेहप्रभा सचदेवा ने रीप सिस्टम के लिए बीवाईपीएल सीईओ का धन्यवाद करते हुए कहा कि नई व्यवस्था ने पीने और साफ-सफाई के लिए पानी की दिक्कतों का समाधान कर दिया है। उनके मुताबिक, छात्रों और शिक्षकों ने रीप को काफी सराहा है।

बीवाईपीएल सीईओ श्री रमेश नारायणन ने कहा— रीप शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को खत्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। रीप सिस्टम कोयला आधारित बिजली पर लोगों की निर्भरता कम करेगा, जिससे संसाधनों की बचत होगी और पर्यावरण भी बेहतर बनेगा।

भारतीय जीवनशैली में रीप निभा सकता है उपयोगी भूमिका, क्योंकि:

- 2011 की जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक, देश के 42 प्रतिशत घरों में नहाने की सुविधा नहीं है।
- 8 प्रतिशत शहरी और 22 प्रतिशत ग्रामीण घर पानी के लिए अपने परिसर के बाहर के स्रोतों पर निर्भर हैं।
- ग्रामीण इलाकों के 36 प्रतिशत घरों के लोग 500 मीटर, और शहरी घरों के 36 प्रतिशत लोग 100 मीटर के दायरे के अंदर के स्रोतों से पानी लेते हैं।
- 18 प्रतिशत ग्रामीणों को 500 मीटर से अधिक, और 18 प्रतिशत शहरियों को 100 मीटर से अधिक की दूरी पर स्थित स्रोतों से पानी मिल पाता है।
- 11 प्रतिशत से अधिक लोग बिना किसी ट्रीटमेंट के पानी पीते हैं।

बीवाईपीएल-आईआईटी की संयुक्त खोज है रीप :

रीप, बीवाईपीएल और आईआईटी दिल्ली की एक संयुक्त खोज है। यह दोनों संस्थानों के दो साल की मेहनत का साझा परिणाम है। बीवाईपीएल और आईआईटी-दिल्ली के बीच 2010 में एक समझौता हुआ था। उसी समझौते के तहत इस साल जनवरी में इस क्रांतिकारी तकनीक को विकसित किया जा सका।

बैटरी में पावर स्टोर नहीं करता, सौर ऊर्जा से सीधे खींचता है पानी

आमतौर पर यह माना जाता है कि दो जरूरी संसाधनों- पानी और बिजली के वितरण के लिए, हर घर तक नेटवर्क का होना जरूरी है। लेकिन रीप सिस्टम ने इस मिथ को तोड़ दिया है। मोबाइल फोन की तर्ज पर, रीप बिना किसी नेटवर्क के बिजली व पानी लोगों को उपलब्ध करा सकता है। और वह भी स्वच्छ, हरित व पर्यावरण अनुकूल।

रीप सिस्टम, सौर ऊर्जा आधारित एक तकनीक है, लेकिन यह आम सोलर पैनलों की तरह नहीं है। आम सोलर पैनल जहां सौर ऊर्जा से बिजली बनाता है और उसे किसी बैटरी में स्टोर करता है, वहीं रीप तकनीक में सौर ऊर्जा से न तो बिजली बनती है और न ही उसे किसी बैटरी में स्टोर किया जाता है। यह सूरज की रोशनी से ऊर्जा लेकर उसका इस्तेमाल सीधे जमीन के अंदर से पानी को खींचने में करता है। यदि पानी किसी वॉटर पाइपलाइन के माध्यम से आ रहा है, तो भी यह उसे बिना बिजली की मदद के ही आपके टैंक में भर देगा।

पानी की बरबादी रोकेगा:

जैसे ही टैंक भरेगा, रीप सिस्टम काम करना बंद कर देगा। फिर टैंक में पानी का लेवल कम होने के बाद, वह दुबारा काम करना शुरू करेगा और आपके टैंक को फिर भर देगा। इस तरह, यह सिस्टम भूजल और पाइपलाइन से आ रहे पानी की बरबादी को भी रोकेगा। चाहे हाउसिंग सोसायटी हों या होटल, मॉल, अस्पताल, स्कूल या जनसुविधाएं हों, रीप सिस्टम बिना बिजली के पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

बिजली की बढ़ती मांग पर नियंत्रण रखेगा:

रीप सिस्टम पार्कों आदि में बिजली के करंट संबंधी दुर्घटनाओं को भी रोकने में कामयाब होगा। सिंचाई के लिए वहां बिजली का कनेक्शन लिया जाता है और फिर सही देखरेख न होने की वजह से बच्चे करंट की चपेट में आ जाते हैं। रीप सिस्टम से यदि सिंचाई सुनिश्चित की जाए, तो पार्कों में करंट संबंधी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। दिल्ली में हजारों की संख्या में हाउसिंग सोसायटीज और पार्क हैं, जहां पानी खींचने के लिए शक्तिशाली मोटरें लगी हैं, जो भारी मात्रा में बिजली की खपत करती हैं। आईआईटी और बीवाईपीएल के विशेषज्ञों का कहना है कि यदि दिल्ली के बड़े संस्थानों, हाउसिंग सोसायटीज व पार्कों में रीप सिस्टम लगा दिए जाएं, तो हर साल 10 प्रतिशत की दर से बढ़ रही बिजली की मांग पर नियंत्रण किया जा सकता है।

रीप तकनीक को इस साल जनवरी में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित, उर्जा मंत्री श्री हारून युसुफ, और सांसद श्री संदीप दीक्षित ने लॉन्च किया था।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआपीएल व बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
